https://www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

Henoch-Schoenlein परपूरा

के संस्करण 2016

1. Henoch-Schoenlein परपूरा क्या है?

1.1 यह क्या है?

Henoch-Schoenlein परपूरा (HSP) में बहुत छोटी रक्त वाहनियों में सूजन आती है। इस सूजन को वास्कुलटिसि कहते है। और आम तौर पर यह त्वचा, आंत और गुर्दे की छोटी रक्त वाहनियों को प्रभावति करता है। इन रक्त वाहनियों में से त्वचा में खून का रसिाव हो सकता है, जसिकी वजह से गहरे लाल या बैंगनी रंग के दाने आते है जसिे परपूरा कहते है। रक्त का रसिाव आंत या गुर्दो में भी हो सकता है, जसिसे पेशाब तथा मल में खून पाया जा सकता है।

1.2 यह कतिना आम है?

HSP, बचपन में आम तौर पर नहीं होता, ५ से १५ वर्ष के बीच आयु वर्ग के बच्चों में यह सबसे आम है। यह लड़कयिों की तुलना में लड़को में ज्यादा आम है (२:१)।
इस बीमारी का कोई एक नस्लीय या भौगोलकि वतिरण नही होता है। यूरोप और उत्तरी भागों में ज्यादातर सर्दयिों में होता है लेकनि कुछ मामलो में वसंत के दौरान भी देखा जाता है। HSP लगभग प्रतविर्ष १,००,००० में से २० बच्चो को प्रभावति करता है।

1.3 इस बीमारी का कारण क्या है?

HSP का कारण अज्ञात है। संक्रामक एजेंट (जैसे वायरस और बैक्टीरयिा) बीमारी के लएि एक संभावति कारण माने जाते है। क्योंकि यह अक्सर ऊपरी श्वाश नली के संक्रमण के बाद होता है। हालांकि HSP ठंडे, जहरीले केमकिल पदार्थो, कीड़े के काटने और वशिषि्ट खाद्य की एलर्जी से भी हो सकता है। HSP एक संक्रमण की प्रतक्रिियिा हो सकती है। (बच्चे की रोग प्रतरिोधक क्षमता के अधकि प्रभाव के कारण)
HSP के घावों में प्रतरिक्षा प्रणाली के कुछ वशिषि्ट उत्पाद जैसे IgA का जमा होना दर्शाता है कि प्रतरिक्षा प्रणाली की असामान्य प्रतक्रिियिा त्वचा, गुर्दे, जोड़ आँत और कभी कभी दमिाग व वृषण की छोटी रक्त वाहनियों को प्रभावति करता है जो इस रोग का कारण है।

1.4 क्या यह आनुवांशकि है ? क्या यह छूत बीमारी है? क्या इसे रोका जा सकता है?
HSP एक आनुवंशकि बीमारी नहीं है। यह संक्रामक नहीं है और रोका नही जा सकता है।

1.5 मुख्य लक्षण क्या है ?
प्रमुख लक्षण त्वचा में लाल चकत्ते है, जो HSP के सभी रोगयिों में पाये जाते है। दाने आमतौर पर छोटे पत्ती लाल धब्बे या लाल ऊभार के साथ शुरू होते है, कुछ समय के बाद यह बड़े बैंगनी चकत्तों में बदल जाते है। इन उभरी हुए घावों को त्वचा में महसूस कयिा जा सकता है, इसलएि इसे "स्पर्शनीय परपूरा" कहते है। परपूरा आम तौर पर शरीर के नचिले भागों और नतिंबो पर दखिाई देता है। कभी कभी शरीर के अन्य भागों में भी (ऊपरी अंगो ट्रंक आदि) में भी हो सकता है।
अधकितर रोगयिों में (>६५%) जोड़ो में दर्द, सूजन तथा चलने में तकलीफ होती है। आमतौर पर घुटना व एड़ी और कभी कभी कलाई, कोहनी उंगलयिाँ भी प्रभावति होती है। गठयिा के साथ अंगों की सूजन और जोड़ो के आसपास दर्द होता है। वशिष रूप से बहुत छोटे बच्चों में हाथ और पैर के कोमल ऊतक, माथा और वृषण में सूजन, इस रोग में जल्दी दखिाई दे सकते है। जोड़ो के लक्षण अस्थायी होते है और कुछ दनिों या सप्ताह के भीतर चले जाते है।
वाहनियिों में सूजन होने की वजह से ६०% से अधकि रोगयिों में पेट दर्द होता है, जो आमतौर पर रुक-रुक कर नाभि के आसपास होता है और कभी कभी आंतों में खून के रसिाव के साथ भी हो सकता है। कभी कभी आंत का असामान्य रूप से मुड़ा हुआ भाग जसिे इन्टूससेपशन कहते है, आंतो में रूकावट का कारण बन जाता है, जसिमे सर्जरी की आवश्यकता होती है।
गुर्दे की रक्त वाहनियिों में सूजन होने पर २०-३५% रोगयिों में पेशाब में खून और प्रोटीन आने की संभावना होती है। गुर्दे की समस्या आमतौर पर गंभीर नहीं होती हैं। कुछ दुर्लभ मामलो में गुर्दे की बीमारी महीनों या वर्षों तक चल सकती है और गुर्दे की खराबी (१ – ५%) को बढ़ा सकती है। ऐसे रोगयिों में उनके सामान्य चकित्सिक के साथ गुर्दा रोग वशिषज्ञ (Nephrologist) के सहयोग और सलाह की आवश्यकता होती है।
उपरोक्त लक्षण कभी-कभी त्वचा के लाल चकत्तों के कुछ दनिों पूर्व भी प्रकट हो सकते है। वे धीरे धीरे एक अलग क्रम में या एक साथ भी आ सकते है।
कभी कभी रक्त वाहनियिों में सूजन की वजह से अन्य लक्षण जैसे दौरे, दमिाग या फेफड़ों में खून का रसिाव और वृषण की सूजन भी देखे जा सकते है।

1.6 क्या यह रोग हर बच्चे में एक जैसा होता है?
रोग हर बच्चे में लगभग एक जैसा होता है, लेकनि हर रोगी में त्वचा और अंगो पर असर अलग हो सकता है।

1.7 क्या यह रोग बच्चों और बड़ों में अलग अलग होता है?
बच्चो में यह रोग बड़ों से अलग नहीं है, लेकनि यह युवा रोगयिों में कभी कभी ही होता है।